आपका ब्रांड यहाँ
आपका नाम, लोगो, रंग और संपर्क विवरण यहाँ छपते हैं



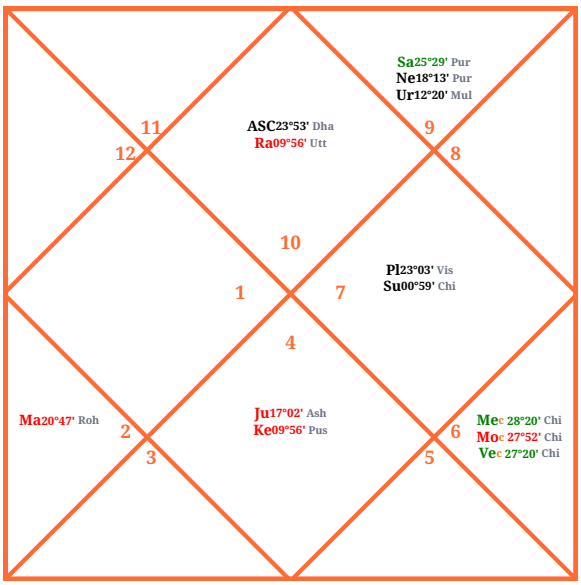
शास्त्रीय कुण्डली रिपोर्ट बंडल

नमूना रिपोर्ट

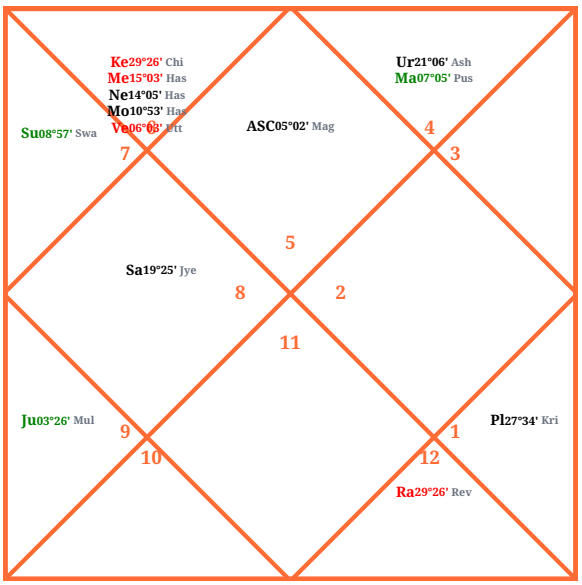
दिनांक और समय	1990-10-18T14:30:00
समय क्षेत्र	Asia/Kolkata
अक्षांश	28.6139
देशांतर	77.209
बंडल	Small
तैयार	2026-11-08
भाषा	hi

प्रकृति
शास्त्रीय पाठ-आधारित फलादेश: योग, ग्रह फल, रत्न और रुद्राक्ष संबंधी पाठ इस कुण्डली के लिए शास्त्रीय परंपरा से उद्धृत हैं। इनमें आयु, रोग या उपचार संबंधी कथन चिकित्सीय सलाह नहीं हैं और न ही आयु या स्वास्थ्य की भविष्यवाणी हैं।

कुण्डलियाँ



जन्म कुंडली (D1)



नवांश (D9)

बंडल	Small

जन्म विवरण

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाम	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285

लग्न

राशि	मकर
राशिश	शनि
नक्षत्र	धनिष्ठा
पद	1

चंद्र

राशि	कन्या
राशिश	बुध
नक्षत्र	चित्रा
नक्षत्र स्वामी	मंगल
पद	2

सूर्य राशि · निरयण	तुला
सूर्य राशि · सायन	तुला

अवकहड़ा

वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
योनि	बाघ
गण	राक्षस
नाड़ी	मध्य
राशि स्वामी	बुध
पाया	चाँदी
तत्त्व	पृथ्वी
तत्व	पृथ्वी
युंज	अन्त्य
वर्ग	चूहा
हंसक	पृथ्वी
नाम अक्षर	Po

जन्म के समय पंचांग · तिथि	अमावस्या
जन्म के समय पंचांग · योग	वैधृति
जन्म के समय पंचांग · करण	Naga

सूर्योदय के समय पंचांग

तिथि	अमावस्या
पक्ष	कृष्ण
नक्षत्र	चित्रा
योग	वैधृति
करण	Chatushpada

अंग समाप्ति समय

तिथि	21:06
नक्षत्र	07:40
योग	16:31
करण	21:06

सूर्योदय	06:23:52
सूर्यास्त	17:49:12

ग्रह

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाम	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285
नोड	True
भाव प्रणाली	Whole sign

लग्न

राशि	मकर
राशि संख्या	10
राशिश	शनि
अंश	23.8935
अंश DMS	23-53-37
देशांतर	293.8935
नक्षत्र	धनिष्ठा
नक्षत्र संख्या	23
नक्षत्र स्वामी	मंगल
पद	1

ग्रह

नाम	राशि	राशि संख्या	राशिश	अंश	अंश DMS	देशांतर	नक्षत्र
सूर्य	तुला	7	शुक्र	0.9951	00-59-42	180.9951	चित्रा
चंद्र	कन्या	6	बुध	27.8766	27-52-36	177.8766	चित्रा
मंगल	वृषभ	2	शुक्र	20.7877	20-47-16	50.7877	रोहिणी
बुध	कन्या	6	बुध	28.34	28-20-24	178.34	चित्रा
गुरु	कर्क	4	चंद्र	17.0493	17-02-58	107.0493	आश्लेषा
शुक्र	कन्या	6	बुध	27.3406	27-20-26	177.3406	चित्रा
शनि	धनु	9	गुरु	25.4923	25-29-32	265.4923	पूर्वाषाढ़ा
राहु	मकर	10	शनि	9.9384	09-56-18	279.9384	उत्तराषाढ़ा
केतु	कर्क	4	चंद्र	9.9384	09-56-18	99.9384	पुष्य
अरुण	धनु	9	गुरु	12.3459	12-20-45	252.3459	मूल
वरुण	धनु	9	गुरु	18.2324	18-13-57	258.2324	पूर्वाषाढ़ा
यम	तुला	7	शुक्र	23.0635	23-03-49	203.0635	विशाखा

नाम	नक्षत्र संख्या	नक्षत्र स्वामी	पद	भाव	गति	वक्री	अस्त
सूर्य	14	मंगल	3	10	0.993145	नहीं	नहीं
चंद्र	14	मंगल	2	9	12.335806	नहीं	हाँ
मंगल	4	चंद्र	4	5	0.035376	नहीं	नहीं
बुध	14	मंगल	2	9	1.710469	नहीं	हाँ
गुरु	9	बुध	1	7	0.12405	नहीं	नहीं
शुक्र	14	मंगल	2	9	1.25186	नहीं	हाँ
शनि	20	शुक्र	4	12	0.040927	नहीं	नहीं
राहु	21	सूर्य	4	1	-0.226596	हाँ	नहीं
केतु	8	शनि	2	7	-0.226596	हाँ	नहीं
अरुण	19	केतु	4	12	0.027975	नहीं	नहीं
वरुण	20	शुक्र	2	12	0.013483	नहीं	नहीं
यम	16	गुरु	1	10	0.03801	नहीं	नहीं

मैत्री

अयनांश · ID	Lahiri

अयनांश · नाम	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285

संबंध

	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: अंतरंग	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: सम	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: मित्र	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: अंतरंग	नैसर्गिक: शत्रु; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: सम	नैसर्गिक: शत्रु; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: सम
चंद्र		नैसर्गिक: सम; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: शत्रु	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: सम	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: मित्र	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: शत्रु	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: मित्र
मंगल	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: सम		नैसर्गिक: शत्रु; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: कड़वा	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: अंतरंग	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: शत्रु	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: शत्रु
बुध	नैसर्गिक: शत्रु; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: कड़वा	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: शत्रु		नैसर्गिक: सम; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: मित्र	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: सम	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: मित्र
गुरु	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: अंतरंग	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: अंतरंग	नैसर्गिक: शत्रु; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: सम		नैसर्गिक: शत्रु; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: सम	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: शत्रु
शुक्र	नैसर्गिक: शत्रु; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: कड़वा	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: शत्रु	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: सम	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: मित्र		नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: अंतरंग
शनि	नैसर्गिक: शत्रु; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: सम	नैसर्गिक: शत्रु; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: कड़वा	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: अंतरंग	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: शत्रु	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: अंतरंग	

विंशोत्तरी दशा

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाम	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285
चंद्र नक्षत्र · नाम	चित्रा
चंद्र नक्षत्र · पद	2
चंद्र नक्षत्र · स्वामी	मंगल

जन्म के समय शेष

स्वामी	मंगल
वर्ष	4
महीने	7
दिन	11

वर्तमान

की तिथि के अनुसार	2026-11-08
महादशा · स्वामी	गुरु
महादशा · प्रारंभ	2013-05-30
महादशा · अंत	2029-05-30
अंतर्दशा · स्वामी	मंगल
अंतर्दशा · प्रारंभ	2026-01-28
अंतर्दशा · अंत	2027-01-04
प्रत्यन्तर दशा · स्वामी	शुक्र
प्रत्यन्तर दशा · प्रारंभ	2026-09-23
प्रत्यन्तर दशा · अंत	2026-11-19

स्वामियों की तारा

सूर्य	जन्म
चंद्र	जन्म
मंगल	परम मित्र
बुध	जन्म
गुरु	प्रत्यक
शुक्र	जन्म
शनि	वध
राहु	मित्र
केतु	क्षेम

महादशाएँ

मंगल

प्रारंभ	1990-10-18
अंत	1995-05-31

अन्तर्दशाएँ

स्वामी	प्रारंभ	अंत
गुरु	1990-10-18	1990-10-20
शनि	1990-10-20	1991-11-29
बुध	1991-11-29	1992-11-25
केतु	1992-11-25	1993-04-23
शुक्र	1993-04-23	1994-06-23
सूर्य	1994-06-23	1994-10-29
चंद्र	1994-10-29	1995-05-31

राहु

प्रारंभ	1995-05-31
अंत	2013-05-30

अन्तर्दशाएँ

स्वामी	प्रारंभ	अंत
राहु	1995-05-31	1998-02-10
गुरु	1998-02-10	2000-07-06
शनि	2000-07-06	2003-05-13
बुध	2003-05-13	2005-11-29
केतु	2005-11-29	2006-12-18
शुक्र	2006-12-18	2009-12-18
सूर्य	2009-12-18	2010-11-12
चंद्र	2010-11-12	2012-05-13
मंगल	2012-05-13	2013-05-30

गुरु

प्रारंभ	2013-05-30
अंत	2029-05-30

अन्तर्दशाएँ

स्वामी	प्रारंभ	अंत
गुरु	2013-05-30	2015-07-18
शनि	2015-07-18	2018-01-28
बुध	2018-01-28	2020-05-05
केतु	2020-05-05	2021-04-11
शुक्र	2021-04-11	2023-12-11
सूर्य	2023-12-11	2024-09-28
चंद्र	2024-09-28	2026-01-28
मंगल	2026-01-28	2027-01-04
राहु	2027-01-04	2029-05-30

शनि

प्रारंभ	2029-05-30
अंत	2048-05-30

अन्तर्दशाएँ

स्वामी	प्रारंभ	अंत
शनि	2029-05-30	2032-06-02
बुध	2032-06-02	2035-02-10
केतु	2035-02-10	2036-03-21
शुक्र	2036-03-21	2039-05-22
सूर्य	2039-05-22	2040-05-03
चंद्र	2040-05-03	2041-12-02
मंगल	2041-12-02	2043-01-11
राहु	2043-01-11	2045-11-17
गुरु	2045-11-17	2048-05-30

बुध

प्रारंभ	2048-05-30
अंत	2065-05-30

अन्तर्दशाएँ

स्वामी	प्रारंभ	अंत
बुध	2048-05-30	2050-10-27
केतु	2050-10-27	2051-10-24
शुक्र	2051-10-24	2054-08-24
सूर्य	2054-08-24	2055-06-30
चंद्र	2055-06-30	2056-11-28
मंगल	2056-11-28	2057-11-25
राहु	2057-11-25	2060-06-13
गुरु	2060-06-13	2062-09-19
शनि	2062-09-19	2065-05-30

केतु

प्रारंभ	2065-05-30
अंत	2072-05-30

अन्तर्दशाएँ

स्वामी	प्रारंभ	अंत
केतु	2065-05-30	2065-10-26
शुक्र	2065-10-26	2066-12-26
सूर्य	2066-12-26	2067-05-03
चंद्र	2067-05-03	2067-12-02
मंगल	2067-12-02	2068-04-29
राहु	2068-04-29	2069-05-18
गुरु	2069-05-18	2070-04-24
शनि	2070-04-24	2071-06-03
बुध	2071-06-03	2072-05-30

शुक्र

प्रारंभ	2072-05-30
अंत	2092-05-30

अन्तर्दशाएँ

स्वामी	प्रारंभ	अंत
शुक्र	2072-05-30	2075-09-30
सूर्य	2075-09-30	2076-09-29
चंद्र	2076-09-29	2078-05-31
मंगल	2078-05-31	2079-07-31
राहु	2079-07-31	2082-07-31
गुरु	2082-07-31	2085-03-31
शनि	2085-03-31	2088-05-31
बुध	2088-05-31	2091-04-01
केतु	2091-04-01	2092-05-30

सूर्य

प्रारंभ	2092-05-30
अंत	2098-05-31

अन्तर्दशाएँ

स्वामी	प्रारंभ	अंत
सूर्य	2092-05-30	2092-09-17
चंद्र	2092-09-17	2093-03-19
मंगल	2093-03-19	2093-07-25
राहु	2093-07-25	2094-06-19
गुरु	2094-06-19	2095-04-07
शनि	2095-04-07	2096-03-19
बुध	2096-03-19	2097-01-23
केतु	2097-01-23	2097-05-31
शुक्र	2097-05-31	2098-05-31

चंद्र

प्रारंभ	2098-05-31
अंत	2108-05-31

अन्तर्दशाएँ

स्वामी	प्रारंभ	अंत
चंद्र	2098-05-31	2099-03-31
मंगल	2099-03-31	2099-10-30
राहु	2099-10-30	2101-05-01
गुरु	2101-05-01	2102-08-31
शनि	2102-08-31	2104-03-31
बुध	2104-03-31	2105-08-30
केतु	2105-08-30	2106-03-31
शुक्र	2106-03-31	2107-11-30
सूर्य	2107-11-30	2108-05-31

लग्न वाचन

लग्न

राशि	मकर
राशि संख्या	10
अंश	23.8936
नक्षत्र	धनिष्ठा
पद	1
तत्व	पृथ्वी
पद्धति	चर
स्वामी	शनि
मूलरूप	ऐसा आरोही जो प्रगति को दशकों में मापता है

स्वामी

ग्रह	शनि
राशि	धनु
भाव	12
बल	सम
वक्री	नहीं
अस्त	नहीं
शक्ति सूचक	Workable

अधिवासी

ग्रह	राशि	अंश	बल	वक्री	प्रकृति	प्रभाव
राहु	मकर	9.9383	सम	हाँ	Malefic	महत्वाकांक्षा, अपरंपरागत उपस्थिति और पहुँच से बाहर की चीज़ों की लालसा जोड़ता है

दृष्टियाँ

ग्रह	भाव से	दृष्टि	बल	प्रकृति
गुरु	7	7th aspect	उच्च	शुभ ग्रह
केतु	7	7th aspect	सम	Malefic

फलादेश

- आपके जन्म के समय मकर लग्न उदित हो रहा था, जिससे शनि आपकी कुण्डली का स्वामी बनता है; यही लग्न वह मूल स्वर तय करता है जिसके संदर्भ में बाकी सब पढ़ा जाता है। पृथ्वी तत्व की चर राशि होने के कारण यह ऐसा स्वभाव देती है जो अनुशासित, यथार्थवादी और प्रतीक्षा के लिए तैयार है — ऐसा आरोही जो प्रगति को दशकों में मापता है।
- आपका जीवन पहल के रूप में आगे बढ़ता है। आप सहजता से कार्य आरंभ करते हैं, और कठिनाई शुरू करने में नहीं, पूरा करने में होती है।
- आपकी कुण्डली का स्वामी शनि 12वें भाव में धनु राशि में स्थित है। इससे आपके जीवन का गुरुत्व-केंद्र उन विषयों में निवेशित है जो दृष्टि से परे हैं: विदेश, एकांत, शोध या आंतरिक जीवन। सामान्य, दिखाई देने वाली उपलब्धियाँ आपको उतना संतोष नहीं देतीं जितना देनी चाहिए।
- वहाँ इसकी स्थिति कार्यक्षम है: धनु में यह प्रभावी ढंग से कार्य करता है, पर अपने परिवेश का रंग ग्रहण कर लेता है। आपके स्व के स्वामी को न तो बल मिलता है और न ही बाधा; वह क्या करता है, यह बहुत हद तक उसकी संगति और चल रही दशा पर निर्भर करता है।
- इसके अतिरिक्त, स्वयं आपके प्रथम भाव में राहु की उपस्थिति है, जिसका सीधा प्रभाव व्यक्तित्व पर पड़ता है। राहु महत्वाकांक्षा, अपरंपरागत उपस्थिति और पहुँच से बाहर की चीज़ों की लालसा जोड़ता है।
- अन्य स्थानों से लग्न पर क्या पड़ता है, यह देखें तो: गुरु लग्न पर दृष्टि डालता है, जिससे इसकी रक्षा होती है — जितना आप ध्यान देते हैं, उससे कहीं अधिक बार आपको संदेह का लाभ मिलता है; केतु इस पर दृष्टि डालता है, जिससे यह कठोर बनता है — आपके स्व पर बाहर से दबाव है, और इसने आपको उससे अधिक सक्षम बनाया है जितना कोई सुविधाजनक कुण्डली बनाती।

काया

नक्षत्र	धनिष्ठा

नोट्स

- मकर लग्न के पृथ्वी तत्व का झुकाव प्रायः इस ओर होता है: सुगठित, मज़बूत काया जो अपनी तंदुरुस्ती बनाए रखती है और देर से थकती है।
- लग्न धनिष्ठा नक्षत्र में उदित है, जो सामान्य चित्र को और परिष्कृत करता है — व्यवहार और रूप-रंग की बारीक विशेषताएँ राशि के बजाय उस नक्षत्र का अनुसरण करती हैं।

शक्तियाँ

- यहाँ मकर लग्न की अपनी छाप ही पूँजी है: स्वभाव सुसंगत है, और जहाँ कोई एक स्थिति विशेष रूप से उभरकर न भी दिखे, वहाँ भी यह सुसंगति जीवन भर संचित होकर बढ़ती जाती है।

चुनौतियाँ

- प्रथम भाव में राहु — महत्वाकांक्षा, अपरंपरागत उपस्थिति और पहुँच से बाहर की चीज़ों की लालसा जोड़ता है, जिसे दूसरे आपकी मंशा से अधिक तीखे रूप में देखते हैं।

आपका ब्रांड यहाँ

yourbrand.example · hello@yourbrand.example · +91 00000 00000

इस दस्तावेज़ के बारे में

यह रिपोर्ट प्रदर्शित जन्म विवरणों से गणना की गई एक ज्योतिषीय व्याख्या है। यह शास्त्रीय और आधुनिक विधियों द्वारा कुंडली से पढ़ी गई प्रवृत्तियों का वर्णन करती है; यह निश्चित घटनाओं की भविष्यवाणी नहीं है, और यह चिकित्सा, कानूनी, वित्तीय या मनोवैज्ञानिक सलाह नहीं है।

प्रकृति: शास्त्रीय पाठ-आधारित फलादेश: योग, ग्रह फल, रत्न और रुद्राक्ष संबंधी पाठ इस कुण्डली के लिए शास्त्रीय परंपरा से उद्धृत हैं। इनमें आयु, रोग या उपचार संबंधी कथन चिकित्सीय सलाह नहीं हैं और न ही आयु या स्वास्थ्य की भविष्यवाणी हैं।

96Astro API द्वारा गणना की गई · classical-kundli-report · जॉब sample